सामाजिक वानिकी एवं पारिस्थितिकीय पुनर्निवेशन केन्द्र
3/1लाजपतराय रोड नया कटरा इलाहाबाद–211002

कृषि वानिकी, जैविक खेती तथा अन्य पौधों की कृषक पौधशाला की स्थापना एवं हल्दी राइजोम बैंक और किसान सूचना केन्द्र ने सराहनीय कार्य किया

सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद, केन्द्र के मुख्य उद्देश्य के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश राज्य के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रो में सामाजिक वानिकी, कृषि वानिकी के उपयुक्त एव उत्कृष्ट माडल विकसित करना, तथा अनुसंधान कार्यो का विस्तार कर जन–जन तक पहुॅचाना है। इस मुख्य उद्देश्य के अन्तर्गत पारम्परिक बगीचों में (आम, महुआ, ऑवला, बॉस) औषधीय पौधो पर आधारित कृषि वानिकी के कई सफल प्रयोग किये गये, जिसे अपना कर जानकीपुर, कौशाम्बी के किसान औषधीय पौधों पर आधारित कृषि पर उत्तम कार्य कर रहे है, जिससे एक तरफ इन्हें औषधीय खेती से लाभ हो रहा है, वहीं दूसरी तरफ इन वृक्षों के संरक्षण एवं उत्पाद से आय हो रही है। (अधिकतर लोग आम, महुआ, आवंला, पुराने पेडों को काट देते हैं)। यह कार्यक्रम महानिदेशक डा0 बी. के. बहुगुणा जी के लक्ष्यानुसार एवं डा0 एस. पी. सिंह उप–महानिदेशक आई. सी. एफ. आर. ई. देहरादून एवं श्री एम. के. शुक्ला, निदेशक सामाजिक वानिकी एवं पारि–पुनर्स्थापन केन्द्र, इलाहाबाद के निर्देशन में तथा डा0 बी. के. पाण्डेय वैज्ञानिक के मार्गदर्शन में जानकीपुर के चयनित किसान जिन्होने पारम्परिक बगीचों में औषधीय पौधों की कृषि–वानिकी अपनायी है, हेतु आयोजित किया गया।

इस कार्य को आगे बढ़ाते हुए उप–महानिदेशक प्रसाशन डा0 एस. पी. सिंह ने जानकीपुर गॉव किसान सूचना केन्द्र का उदघाटन किया। केन्द्र निदेशक श्री एम. के. शुक्ला जी ने में किसान पौधशाला की स्थापना की एवं श्री अमीत सिंह पटेल जी ने केचुआ, वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन यूनिट का उद्घाटन किया। वर्मीकम्पोस्ट यूनिट के लिए केचुआ श्री बी. डी. सिंह कोडापुर, फूलपुर ने प्रदान किया। इस अवसर पर जानकीपुर में श्रीमती एस. पी. सिंह द्वारा हल्दी के राइजोम बैंक की स्थापना की गयी, जिससे कि नये किसानों को उद्यान में खेती करने के लिए समय–समय पर रोपड़ सामग्री प्रदान की जा सकेगी। औषधीय पौधों पर आधारित उद्यानों में की गयी कृषि वानकी से प्राप्त कालमेंघ, सतावर, सर्पगन्धा एवं हल्दी को परिरक्षित करने के तरीके डा0 बी. के. पाण्डेय ने बताया एवं श्री राजेन्द्र पटेल जी ने हल्दी को एवं श्री बम्हदत्त सिंह जी ने सतावर को परिरक्षित करने के तरीके दिखाये। डा0 कुमुद दूबे ने जलभराव वाले क्षेत्रों में होने वाले पेड़–पौधों की प्रजातियों के बारे में बताया। डा0 अनीता तोमर ने विलुप्त होती प्राचीन फल प्रजातियों के आर्थिक एवं औषधीय महत्व पर प्रकाश डाला। डा0 वी. पी. पाण्डेय ने पौधशाला एवं रोपण में होने वाले रोग एवं उसके निदान के बारे में बताया, डा0 गंगा प्रसाद जी ने कृषि वानिकी के बारे में लोगों को बहुत सी जानकारियां दी, श्री आर. पी. सिंह ने औषधीय पौधों के विस्तार पर प्रकाश डाला, डा0 सत्येन्द्र देव शुक्ला ने कृषि वानिकी द्वारा सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान पर प्रकाश डाला और डा0 अनुभा श्रीवास्तव ने महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियों के विपणन सम्बन्धी जानकारियॉ दी तथा धन्यवाद ज्ञापन दिया।

Welcome to Dr. S. P. Singh, D D G (Admin) ICFRE, Dehradun

Participants and beneficiaries from surrounding villages of Jankipur

Inauguration of Kishan Suchana Kendra by Dr. S. P. Singh, DDG (Admin) ICFRE, Dehradun

Inauguration of Kisan Nursery by Shri M. K. shukla, Director, CSFER, Allahabad

Establishment of vermincompost production unit at Jankipur